# *किससे हम फरियाद करें*

सर्वजीत सिंह

किससे हम फरियाद करें ?
बिन मारे जो स्वयं मरा हो,
जिसके अंग जहर भरा हो,
उससे क्या फरियाद करें,
क्या उससे हम बात करें।

चालाकी जिसमें हर क्षण हो,
धोखा देना जिसका प्रण हो,
स्वार्थ्य का साथ निभाए हर दम,
बिना स्वार्थ ना बात करे।
क्या उससे फरियाद करें हम..
क्या उससे फरियाद करें।

मुख में राम बगल में छुरी,
ध्यान लगाए रहते पूरी।
जो इनका विश्वास करे,
धोखा खाना है मजबूरी।
जो तिकड़म में सदा फंसा हो,
स्वारथ में आकंठ धंसा हो।
बस परमारथ की बात करे,
हम उससे क्या फरियाद करें।

बिन पेंदी के लोटे जैसा,
किधर कब लुढ़के है वो ऐसा।
गिरगिट जैसे रंग बदलते,
जिनका नहीं भरोसा कोई।
कैसे इनपर विश्वास करें,
फिर क्या इनसे फरियाद करें।।



Scanned with OKEN Scanner